Downloaded From :http://cbseportal.com/

द्वितीय भाषा के रुप में हिंदी (कोड सं.- 085)

कक्षा 9वीं - 10वीं

भारत एक बहुभाषी देश है जिसमें बहुत सी क्षेत्रीय भाषाएँ रची बसी हैं। भाषिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भिन्न होने के बावजूद भारतीय परंपरा में बहुत कुछ ऐसा है जो एक दूसरे को जोड़ता है। यही कारण है कि मातृभाषा के रूप में अलग भाषा को पढ़ने वाला विद्यार्थी जब दूसरी भाषा के रूप में हिंदी का चुनाव करता है तो उसके पास अभिव्यक्ति का एक दृढ़ आधार पहली भाषा के रूप में पहले से ही मौजूद होता है। इसलिए छठी से आठवीं कक्षा में सीखी हुई हिंदी का विकास भी वह तेजी से करने लगता है। आठवीं कक्षा तक वह हिंदी भाषा में सुनने, पढ़ने, लिखने और कुछ-कुछ बोलने का अभ्यास कर चुका होता है। हिंदी की बाल पत्रिकाएँ और छिटपुट रचनाएँ पढ़ना भी अब उसे आ गया है। इसलिए जब वह नवीं एवं दसवीं कक्षा में हिंदी पढ़ेगा तो जहाँ एक ओर हिंदी भाषा के माध्यम से सारे देश से जुड़ेगा वहीं दूसरी ओर अपने क्षेत्र और परिवेश को हिंदी भाषा के माध्यम से जानने की कोशिश भी करेगा, क्योंकि किशोरवय के इन बच्चों के मानसिक धरातल का विकास विश्व स्तर तक पहुँच चुका होता है।

शिक्षण उद्देश्य

- दैनिक जीवन में हिंदी में समझने-बोलने के साथ-साथ लिखने की क्षमता का विकास करना।
- हिंदी के किशोर-साहित्य, अखबार व पत्रिकाओं को पढकर समझ पाना और उसका आनंद उठाने की क्षमता का विकास करना।
- औपचारिक विषयों और संदर्भों में बातचीत में भाग ले पाने की क्षमता का विकास करना।
- हिंदी के जरिए अपने अनुभव संसार को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने में सक्षम बनाना।
- संचार के विभिन्न माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी के विभिन्न रूपों को समझने की योग्यता का विकास करना।
- कक्षा में बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक संदर्भों के प्रति संवेदनशील सकारात्मक सोच बनाना।
- अपनी मातृभाषा और परिवेशगत भाषा को साथ रखकर हिंदी की संरचनाओं की समझ बनाना।

शिक्षण युक्तियाँ

- द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जा रही हिंदी भाषा का स्तर पढ़ने और पढ़ाने दोनों ही दृष्टियों से मातृभाषा सीखने की तुलना में कुछ मंथर गति से चलेगा। वह गति धीरे-धीरे बढ़ सके, इसके लिए हिंदी अध्यापकों को बड़े धीरज से अपने अध्यापन कार्यक्रमों को नियोजित करना होगा। किसी भी द्वितीय भाषा में निपुणता प्राप्त करने-कराने का एक ही उपाय है-उस भाषा का लगातार रोचक अभ्यास करना-कराना। ये अभ्यास जितने अधिक रोचक, सक्रिय एवं प्रासंगिक होंगे विद्यार्थियों की भाषिक उपलब्धि भी उतनी ही तेजी से हो सकेगी। मुखर भाषिक अभ्यास के लिए वार्तालाप, रोचक कहानी सुनना-सुनाना, घटना-वर्णन, चित्र-वर्णन, संवाद, वाद-विवाद, अभिनय, भाषण प्रतियोगिताएँ, कविता पाठ और अंत्याक्षरी जैसी गतिविधियों का सहारा लिया जा सकता है।
- काव्य भाषा के मर्म से विद्यार्थी का परिचय कराने के लिए जरूरी होगा कि किताबों में आए काव्यांशों की लयबद्ध प्रस्तुतियों के ऑडियो-वीडियो कैसेट तैयार किए जाएँ। अगर आसानी से कोई गायक/गायिका मिले तो कक्षा में मध्यकालीन साहित्य के अध्यापन-शिक्षण में उससे मदद ली जानी चाहिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

- एन.सी.ई.आर.टी.मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विभिन्न संगठनों तथा स्वतंत्र निर्माताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्यक्रम/ ई सामग्री वृत्तचित्रों और सिनेमा को शिक्षण-सामग्री के तौर पर इस्तेमाल करने की जरूरत है। इनके प्रदर्शन के क्रम में इन पर लगातार बातचीत के जरिए सिनेमा के माध्यम से भाषा के प्रयोग की विशिष्टता की पहचान कराई जा सकती है और हिंदी की अलग-अलग छटा दिखाई जा सकती है।
- कक्षा में सिर्फ एक पाठ्यपुस्तक की उपस्थिति से बेहतर होगा कि शिक्षक के हाथ में तरह-तरह की पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी देखें और कक्षा में अलग-अलग मौकों पर शिक्षक उनका इस्तेमाल कर सकें।
- भाषा लगातार ग्रहण करने की क्रिया में बनती है, इसे प्रदर्शित करने का एक तरीका यह भी है कि शिक्षक खुद यह सिखा सकें कि वे भी शब्दकोश, साहित्यकोश, संदर्भग्रंथ की लगातार मदद ले रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में इनके इस्तेमाल करने को लेकर तत्परता बढ़ेगी। अनुमान के आधार पर निकटतम अर्थ तक पहुँचकर संतुष्ट होने की जगह वे सटीक अर्थ की खोज करने के लिए प्रेरित होंगे। इससे शब्दों की अलग-अलग रंगत का पता चलेगा, वे शब्दों के बारीक अंतर के प्रति और सजग हो पाएँगे।
- भिन्न क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शिक्षण-सामग्री का इस्तेमाल किया जाए तथा किसी भी प्रकार से उन्हें अन्य विद्यार्थियों से कमतर या अलग न समझा जाए।
- कक्षा में अध्यापन को हर प्रकार की विविधताओं (लिंग, धर्म, जाति, वर्ग आदि) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील वातावरण निर्मित करना चाहिए।

व्याकरण बिंदु

कक्षा 9वीं

- वर्ण-विच्छेद, अनुस्वार, अनुनासिक, नुक्ता।
- तरह-तरह के पाठों के संदर्भ में शब्दों के अवलोकन द्वारा उपसर्ग, संधि एवं प्रत्यय.
- वाक्य के स्तर पर विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग।

कक्षा 10वीं

- शब्द, पद और पदबंध में अंतर।
- रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर।
- शब्दों के अवलोकन द्वारा सामासिक शब्दों की पहचान और उनके अर्थ का अनुमान।
- मुहावरों और उनका प्रयोग।
- वाक्य अशुद्धि शोधन।

श्रवण (सुनने) और वाचन (बोलने) की योग्यताएँ

- प्रवाह के साथ बोली जाती हुई हिंदी को अर्थबोध के साथ समझना। वार्ताओं या संवादों को समझना।
- हिंदी शब्दों का ठीक उच्चारण करना तथा हिंदी के स्वाभाविक अनुतान का प्रयोग करना।
- सामान्य विषयों पर बातचीत करना और परिचर्चा में भाग लेना।
- हिंदी कविताओं को उचित लय, आरोह-अवरोह और भाव के साथ पढ़ना।
- सरल विषयों पर कुछ तैयारी के साथ दो-चार मिनट का भाषण देना।
- हिंदी में स्वागत करना, परिचय और धन्यवाद देना।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

- हिंदी अभिनय में भाग लेना।

श्रवण (सुनना) - 2.5 अंक (ढाई अंक) व वाचन (बोलना) -2.5 अंक (ढाई अंक) का परीक्षण : कुल 5 अंक (पाँच अंक)

- परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 100-150 शब्दों का होना चाहिए।

  या

  परीक्षक 1 - $1\frac{1}{2}$ मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनवाएगा। अंश रोचक होना चाहिए। कथ्य /घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होनी चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिह्नों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए।
- परीक्षार्थी ध्यानपूर्वक परीक्षा/ऑडियों क्लिप्‍ को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे।

कौशलों के आधार

	श्रवण (सुनना)		**वाचन(बोलना)**
1	विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है।	1	विद्यार्थी केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
2	छोटे सुसंबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	2	परिचित संदर्भोमें केवल छोटे सुसंबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3	अपेक्षित दीर्घ भाषण में जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
4	दीर्घ कथनों की शृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	4	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है।
5	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है।	5	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है।

पठन कौशल

<u>पढ़ने की योग्यताएँ</u>

- हिंदी में कहानी, निबंध, यात्रा-वर्णन, जीवनी, पत्र, डायरी आदि को अर्थबोध के साथ पढ़ना।
- पाठयवस्तु के संबंध में विचार करना और अपना एमटी व्यक्त करना।
- संदर्भ साहित्य को पढ़कर अपने काम के लायक सूचना एकत्र करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित वस्तु का सारांश तैयार करना।
- भाषा, विचार एवं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करना।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

<u>लिखने की योग्यताएँ</u>

- लिखते हुए व्याकरण-सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- हिंदी के परिचित और अपरिचित शब्दों की सही बर्तनी लिखना।
- विराम चिहनों का समुचित प्रयोग करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बांटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, आदेश पत्र, ई मेल, एस.एम.एस आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्त्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र एक अभीष्ट विषय पर अनुछेद लिखनी।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करना।
- पढ़ी हुई कहानी को संवाद में तथा संवाद को कहानी में परिवर्तित करना।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- लिखने में मौलिकता और सर्जनात्मकता लाना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- पूर्णता - संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना
- क्रमबद्धता - विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना
- विषय-केन्द्रित - प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना
- सामसिकता - सीमित शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास, अनावश्यक बातें न करके केवल विषय संबद्ध वर्णन-विवेचन

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख
- आकर्षक लेखन शैली
- पुस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों भिन्नता
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- (विज्ञापन लेखन मे बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं)

संवाद लेखन

दो या दो से अधिक लोगों के बीच होने वाले वार्तालाप। बातचित विषय, काल्पनिक या किसी वार्ता को सुनकर यथार्थ प्र आधारित संवाद लेखन की रचनात्म्क शक्ति का विकास, कहानी, नाटक, फिल्म और टीवी सीरियल से लें।

- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली
- शब्द सीमा के भीतर एक दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

- वक्ता के हाव-भाव का **संकेत**
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी

सूचना लेखन

किसी विशेष सूचना को सार्वजिनिक करना, कम शब्दों में औपचारिक शैली में लिखी गई संक्षिप्त जानकारी

जिसमें लेखन में

- उद्देश्य की स्पष्टता
- आम बोलचाल की भाषा और सरल वाक्यों का प्रयोग
- स्पष्ट शीर्षक, मुख्य तथ्य/ विषय वस्तु, उपयोगी संपर्क सूत्र के साथ स्पष्ट संप्रेषण क्षमता

चित्र-वर्णन

चित्र को देखकर कल्पनाशक्ति जागृत, चित्र में दिखाई दे रहे दृश्य/ घटना को अपने शब्दों में उतरना जिसमे

- परिवेश की समझ
- सूक्ष्म विवरणों पर ध्यान
- दृश्यानुकूल भाषा
- क्रमबद्धता और आतंरिक सांगित
- कम शब्दों में प्रभावशाली अभिव्यक्ति

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभित्र स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास
- सरल और बोलचाल की भाषाशैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति जिसमें
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकताओं के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार
- आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावान्विति

कक्षा 9वीं हिंदी 'ब'- परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2019-20

परीक्षा भार विभाजन				
	विषयवस्तु		उप भार	कुल भार
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, अभिव्यक्ति आदि पर अति लघु प्रश्न एवं लघु प्रश्न			15
	i	अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के) (2x4) (1x1)	9	
	ii	अपठित काव्यांश लघु प्रश्न (विकल्प सहित) (2x3)	6	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु			15

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

	/संरचना आदि परप्रश्न पूछे जाएंगे। (1x15) (व्याकरण सिर्फ पाठ्यपुस्तक से)				
	i		वर्ण विच्छेद (विकल्प सहित) (2 अंक)	02	
	ii		अनुस्वार (1 अंक), अनुनासिक (1 अंक) (सभी विकल्प सहित)	02	
	iii		नुक्ता (1अंक) (विकल्प सहित)	01	
	iv		उपसर्ग-प्रत्यय (3 अंक) (विकल्प सहित)	03	
	v		संधि (4 अंक) (विकल्प सहित)	04	
	vi		विराम चिह्न (3 अंक) (विकल्प सहित)	03	
3	पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग - 1 व पूरकपाठ्यपुस्तक संचयन भाग 1				
	अ		गद्य खंड	10	
		i	पाठ्यपुस्तक स्पर्श के गद्य पाठों के आधार पर लघु प्रश्न । (2x2) (1x1)	05	
		ii	पाठ्य पुस्तक स्पर्श के निर्धारित पाठों(गद्य) पर एक निबंधात्मक प्रश्न (5x1) (विकल्प सहित)	05	
	ब		काव्य खंड	10	
		i	पाठ्यपुस्तक स्पर्श के काव्य खंड के आधार पर लघु प्रश्न (2x2), (1x1)	05	
		ii	कविता की समझ पर आधारित एक निबंधात्मक प्रश्न (5x1) (विकल्प सहित)	05	
	स		पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग - 1	05	
			'संचयन' के निर्धारित पाठों से दो प्रश्न जिसमे से एक प्रश्न जिसमें से एक प्रश्न (विकल्प सहित) 3 अंक का होगा (3x1) और दूसरा प्रश्न 2 अंक का होगा। (2x1)	05	25
4	लेखन				
	अ		संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक/व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद (5x1) (विकल्प सहित)	05	
	ब		अनौपचारिक विषय से संबंधित पत्र। (5x1) (विकल्प सहित)	05	
	स		चित्र वर्णन (20-30 शब्दों) (5x1) (विकल्प सहित)	05	
	द		किसी एक स्थिति पर 50 शब्दों के अंतर्गत संवाद लेखन (5x1) (विकल्प सहित)	05	25
	इ		विषय से संबंधित 25-50 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन (5x1) (विकल्प सहित)	05	
			कुल		**80**

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

नोट : निम्नलिखित पाठ केवल पठन के लिए

स्पर्श (भाग - 1)	• * धूल * वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन * गीत - अगीत
संचयन (भाग - 1)	• * कल्लू कुम्हार की उनाकोटी * मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

कक्षा 10वीं हिंदी'ब' परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2019-2020

परीक्षा भार विभाजन					
	विषयवस्तु			उप भार	कुल भार
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, अभिव्यक्ति आदि पर अति लघु प्रश्न एवं लघु प्रश्न				15
	अ	अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के) (2x4) (1x1)		9	
	ब	अपठित काव्यांश लघु प्रश्न (विकल्प सहित) (2x3)		6	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु /संरचना आदि परप्रश्न (1x15)				15
	1	शब्द और पद (1 अंक)		01	
	2	रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर (3 अंक)		03	
	3	समास (4 अंक)		04	
	4	अशुद्धि शोधन (4 अंक)		04	
	5	मुहावरे (3 अंक)		03	
3	पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग - 2 व पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2				25
	अ	गद्य खंड		10	
		1	पाठ्यपुस्तक स्पर्श के गद्य पाठों के आधार पर लघु प्रश्न (2x2) (1x1)	05	
		2	पाठ्य पुस्तक स्पर्श के निर्धारित पाठों (गद्य) पर एक निबंधात्मक प्रश्न (5 x1) (विकल्प सहित)	05	
	ब		काव्य खंड	10	
		1	पाठ्यपुस्तक स्पर्श के काव्य खंड के आधार पर लघु प्रश्न (2x2) (1x 1)	05	
		2	कविता की समझ पर आधारित एक निबंधात्मक प्रश्न (5 x1) (विकल्प सहित)	05	
	स	पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग - 2		05	
		पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के निर्धारित पाठों से दो प्रश्न प्रश्न पूछे जाएगें जिसमें से एक प्रश्न 3 अंक (विकल्प सहित) (3x1) व दूसरा		05	

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE